Geography
03 09 2020
1

CLIMATE (जलवायु)

- मौसम तथा जलवायु के तत्व जैसे - तापमान वायुमंडलीय दाब पवन आद्रता तथा वर्षण एक ही होते हैं।
- मानसून शब्द की व्युत्पत्ति अरबी शब्द मौसम से हुई है जिसका शाब्दिक अर्थ है मौसम।
- मानसून का अर्थ एक वर्ष के दौरान वायु की दिशा में ऋतु के अनुसार परिवर्तन है।
- भारत की जलवायु को मानसूनी जलवायु कहा जाता है। इस प्रकार की जलवायु मुख्यतः दक्षिण तथा दक्षिण-पूर्व एशिया में पाई जाती है।
- किसी भी क्षेत्र की जलवायु को नियंत्रित करने वाले छः प्रमुख कारक हैं - अक्षांश तुंगता (ऊंचाई) वायु दाब एवं पवन तंत्र समुद्र से दूरी महासागरीय धाराएँ तथा उच्चावच लक्षण।
- महासागरीय धाराएँ समुद्र से तट की ओर चलने वाली हवाओं के साथ तटीय क्षेत्रों की जलवायु को प्रभावित करती हैं। उदाहरण के लिए कोई भी तटीय क्षेत्र जहाँ गर्म या ठंडी जलधाराएँ बहती हैं और वायु की दिशा समुद्र से तट की ओर हो तब वह तट गर्म या ठंडा हो जाएगा।
- देश का लगभग आधा भाग कर्क वृत्त के दक्षिण में स्थित है जो उष्ण कटिबंधीय क्षेत्र है। कर्क वृत्त के उत्तर में स्थित शेष भाग उपोष्ण कटिबंधीय है।
- भारत के उत्तर में हिमालय पर्वत है इसकी औसत ऊँचाई लगभग 6,000 मीटर है।
- भारत का तटीय क्षेत्र भी विशाल है जहाँ अधिकतम ऊँचाई लगभग 30 मीटर है।
- भारत में जलवायु तथा संबंधित मौसम अवस्थाएँ निम्नलिखित हैं :-

(i) वायुदाब एवं धरातलीय पवनें (ii) ऊपरी वायु परिसंचरण (iii) पश्चिमी चक्रवाती विक्षोभ एवम्

उष्ण कटिबंधीय चक्रवात

- कोरिआलिस बल – पृथ्वी के घूर्णन के कारण उत्पन्न आभासी बल को कोरिआलिस बल कहते हैं। इस बल के कारण पवनें उत्तरी गोलार्द्ध में दाहिनी ओर तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में बाईं ओर विक्षेपित हो जाती हैं इसे फेरेल का नियम भी कहा जाता है।
- जेट धारा – ये एक संकरी पट्टी में क्षोभमंडल में अधिक ऊँचाई 12,000 मी. से अधिक वाली पश्चिमी हवाएँ होती हैं। इनकी गति गर्मी में 110 km/h एवं सर्दी में 184 km/h होती है। सबसे स्थिर मध्य अक्षांशीय एवम् उपोष्ण कटिबंधीय जेट धाराएँ हैं।
- जेट धाराएँ लगभग 27° से 30° उत्तर अक्षांशों के बीच स्थित होती हैं इसलिए इन्हें उपोष्ण कटिबंधीय पश्चिमी जेट धाराएँ कहा जाता है।
- पूर्वी जेट धारा जिसे उष्ण कटिबंधीय पूर्वी जेट धारा कहा जाता है। गर्मी के महीनों में प्रायद्वीपीय भारत के ऊपर लगभग 14° उत्तरी अक्षांश में प्रवाहित होती है।
- दाब की अवस्था में परिवर्तन का संबंध एलनीनो से है।
- एलनीनो :- ठंडी पेरू जलधारा के स्थान पर अस्थाई तौर पर गर्म जलधारा के विकास को एलनीनो का नाम दिया गया है।
- एलनीनो स्पैनिश शब्द है जिसका अर्थ होता है बच्चा तथा जो कि बेबी क्राइस्ट को व्यक्त करता है क्योंकि यह धारा क्रिसमस के समय बहना शुरू करती है। एलनीनो की उपस्थिति समुद्र की सतह के तापमान को बढ़ा देती है।
- मानसिराम विश्व में सबसे अधिक वर्षा वाला क्षेत्र है तथा स्टैलेक्टमाईट एवम् स्टैलेक्टाइट गुफाओं के लिए प्रसिद्ध है।